YOUNG INDIA > YOUNG PAPER
NBT
नवभारत टाइम्स
महानगर > मुंबई > शनिवार, 20 अगस्त 2016 > मूल्य 4.00 रु. । पेज 12* । www.nbt.in पंजीय

BENNETT, COLEMAN & CO. LTD.
THE ECONOMIC TIMES

'नई टेक्सटाइल पॉलिसी के बहुत फायदे हैं'

Interview of the WEEK

Sudha.Shrimali
@timesgroup.com

चिराग पित्ती
श्री वल्लभ पित्ती ग्रुप

पॉलियस्टर व कॉटन बलैंडेड यार्न में इनोवेशन करने वाले श्री वल्लभ पित्ती ग्रुप के एमडी **चिराग पित्ती** से उनके नए टेक्साइटल प्लांट, इंडस्ट्री की चुनौतियों व नई टेक्साटाइल पॉलिसी पर बातचीतः

Q नई टेक्सटाइल पॉलिसी से क्या इंडस्ट्री की चुनौतियां कम हो सकेंगी?

इसका लॉन्ग टर्म प्रभाव काफी सकारात्मक होगा। शॉर्ट टर्म में यह देखना होगा कि कितना प्रतिशत लागू होता है। जैसे-जैसे क्लेरिटी आएगी, प्रभाव दिखने लगेगा। यह सही है कि शुरू में तकलीफ होगी लेकिन इसके अंडवांटेज बहुत हैं।

Q इसमें छोटे व्यापारियों के लिए किस तरह के फायदे देखते हैं और क्या जीएसटी के बाद परिदृश्य बदलेगा?

मटिरियल सेल में इसके बहुत फायदे हैं। सेल्स टैक्स से संबंधित जितने भी इशू हैं वे सभी प्रॉसेस में आ जाएंगे। अभी मटिरियल भेजने के बाद भी सेल्स टैक्स के तहत फॉर्म-सी के पीछे भागना पड़ता है और जीएसटी आने के बाद ये सब झंझट खत्म हो जाएगा।

Q कॉटन सेक्टर की परेशानियों को लेकर क्या खास है पॉलिसी में?

पॉलिसी काफी व्यापक है। हैंडलूम के अलावा इसमें जूट सेक्टर व कॉटन सेक्टर की जरूरतों पर भी ध्यान दिया गया है। इसमें अपैरल के हिसाब से ही नहीं बल्कि क्रॉप के लिहाज से भी ध्यान दिया गया है। टैक्नॉलजी अपग्रेडेशन फंड स्कीम भी प्रभावी तरह से लागू होगी।

Q टैक्सटाइल व अपैरल एक्सपोर्ट में हाइएस्ट शेयर मानी जाने वाली कॉटन के उत्पादन में पिछले दो साल से गिरावट आ रही है। क्या इससे परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है?

टेक्सटाइल सेक्टर सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता है लेकिन इसमें बहुत सी परेशानियां भी हैं। स्किल गैप, गिरता एक्सपोर्ट, कम उत्पादन से लेकर कम विदेशी निवेश जैसे कई बिंदु हैं जहां ध्यान दिया जा रहा है और इसके लिए किए जा रहे उपायों का प्रभाव दिखने लगेगा। कॉटन उत्पादन में भी स्थितियां सकारात्मक हो रही हैं।

Q आपने नया प्लांट राजस्थान में शुरू किया। क्या इसकी कोई खास वजह ?

राजस्थान सरकार से काफी सुविधाएं मिली। यह प्लांट पूरी तरह से ऑटोमेटेड है और 1,00,000 स्पिंडल्स में 22,000 टन प्रति वर्ष मैन्यूफैक्चर करने की कैपिसिटी है और 25 एकड़ में फैले इस प्लांट को हमने 9 महीने में पूरा किया।

Q सरकार से क्या मिला?

पैकेज के तहत इंटरेस्ट सब्सिडी, वैट बेनिफिट, इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी रिबेट आदि। इससे रोजगार बढ़ेगा व किसानों को फायदा होगा क्योंकि प्लांट साल भर में कम से कम 25,000 एमटी कॉटन का उपयोग करेगा और इससे सीधा 500 लोगों को रोजगार व 30,000 किसानों को फायदा होगा।